भारत सरकार

खान मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4099

दिनांक 30.03.2026 को उत्तर देने के लिए

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए निधि की कमी

4099. श्रीमती रंजीत रंजनः

श्री नीरज डांगी

श्री शक्तिसिंह गोहिलः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वित्तीय वर्षों के दौरान भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) का बजट आवंटन तथा वास्तविक व्यय वर्ष-वार कितना-कितना रहा है;

(ख) क्या सरकार ने विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वित्तीय संसाधनों की कमी के संबंध में की गई समुक्तियों का संज्ञान लिया है;

(ग) क्या वित्तीय अथवा मानव संसाधन संबंधी बाधाओं के कारण महत्वपूर्ण एवं सामरिक खनिजों से संबंधित किसी परियोजना में विलंब हुआ है अथवा उसे स्थगित किया गया है; और

(घ) विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती अन्वेषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वित्तीय आवंटन तथा तकनीकी क्षमता को बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए अथवा प्रस्तावित कदम कौन-कौन से हैं?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री

(श्री सतीश चंद्र दूबे)

(क): पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के बजट आवंटन और वास्तविक व्यय का विवरण इस प्रकार है:

(करोड़ रुपये में)

वित्त वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
बजट अनुमान	1349.98	1181.58	1205.17	1308.60	1300.00
संशोधित अनुमान	1116.24	1170.38	1258.86	1346.45	1425.60
वास्तविक व्यय	1110.94	1166.54	1254.76	1341.34	1413.63

(ख) और (ग): जीएसआई के लिए बजट आवंटन में हर वर्ष वृद्धि की गई है। आवश्यकतानुसार, संशोधित अनुमानों के तहत जीएसआई को अतिरिक्त बजट प्रदान किया गया है। इसलिए, वित्तीय या मैनपावर की कमी के कारण जीएसआई में महत्वपूर्ण और सामरिक खनिजों से संबंधित कोई भी परियोजना विलंबित या स्थगित नहीं हुई है।

(घ): महत्वपूर्ण खनिजों के लिए विशेष रूप से, बढ़ी हुई गवेषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जीएसआई की तकनीकी क्षमता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों के संबंध में, जीएसआई ने कई उन्नत भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों और व्यवस्थित दृष्टिकोणों जैसे राष्ट्रीय भूभौतिकीय मानचित्रण, राष्ट्रीय वायु-भूभौतिकीय मानचित्रण और ड्रोन-आधारित भूभौतिकीय मानचित्रण, मैग्नेटो-टेल्यूरिक सर्वेक्षण और मल्टीस्पेक्ट्रल/हाइपरस्पेक्ट्रल मानचित्रण जैसी नवीन सर्वेक्षण तकनीकों, क्षेत्रीय खनिज लक्ष्यीकरण और हाइपरस्पेक्ट्रल और मल्टीस्पेक्ट्रल इमेज डेटा का उपयोग करके कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग आधारित खनिज संभावना मानचित्रण को अपनाया है, जिससे पूर्व में गैर-संभावित, कम गवेषित और भूवैज्ञानिक रूप से चुनौतीपूर्ण इलाकों में भी गवेषण के दायरे का विस्तार हुआ है और संभावित खनिज क्षेत्रों को भी रेखांकित किया गया है। जीएसआई ने अधिक कुशल और तेजी से गवेषण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए प्रयोगशालाओं में उच्च-स्तरीय उपकरणों के समावेश के माध्यम से एक व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है। महत्वपूर्ण खनिजों सहित गवेषण संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय संसाधनों को बढ़ाया गया है।

*****